शैक्षिक सत्र–2026–27

विषय–पालि

कक्षा–9

इस विषय में प्रश्न–पत्र 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे का होगा।

1–गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 1 से 7 तक (सुंसुमारजातकं, वानरिन्दजातकं, बकजातकं, सीहचम्मजातकं, राधाजातकं, नच्चजातकं, उलूकजातकं)। **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में। 05

2–पद्य–धम्मपद पाठ 1 से 5 तक –(यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो, पुप्फवग्गो, बालवग्गो)। **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद। 05

(ख) दो वग्गो में से किसी एक वग्गो का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश। 05

(ग) धम्मपद के पाठ 1 से 5 के अन्तवर्ती गाथा का उल्लेख। 05

3–अपठित–गद्य–निर्धारित पाठ (सीलानिसंसजातकं, जम्मसाटकजातकं, उच्छङ्गजातकं)। **05**

4–सहायक पुस्तक वोधिचर्या विधि– **10**

परित्राण परिच्छेद से आवाहन, महामंगल सुत्त, महामंगल गाथा–
(किसी एक गाथा की हिन्दी व्याख्या अथवा पूजा विधि का वर्णन)।

5–व्याकरण 3+2+5+5=**15**

(क) शब्द रूप–पुलिंग–बुद्ध।
स्त्रीलिंग–लता।
नपुंसकलिंग–फल।

(ख) धातुरूप–वर्तमान काल– पठ, गम, भू, चज सक, हिंस के रूप।

(ग) संधि–स्वर संधि–
सरोलोपो सरे, परोक्वचि, न द्वे वा, यवा सरे, ए ओ नं।

(घ) समास–
तत्पुरूष एवं बहुब्रीहि का सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण।

6–अनुवाद **05**

हिन्दी के पाँच वाक्यों का वर्तमानकालिक क्रिया में अनुवाद अथवा
निबन्ध– पालि भाषा में पाँच वाक्य लिखना।
भगवा, बुद्धो, धम्मपदं, मम विज्जालयों, सारनाथो, चत्तारि अरिय–सच्चानि, यातायातंसुरक्खा।

7–पालि साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय– **05**

प्रथम संगीत, सुत्तपिटक–दीघ निकाय, मन्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय।

निर्धारित पुस्तकें–

(1) पालिजातका वलि–	पं0 बटुक नाथ शर्मा प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।
(2) पद्य–धम्मपद–	सम्पादित–भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक– ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
(3) सिगालवादसुत्तं–	अनुवादक डा0 भिक्षु स्वरूपानन्द, सम्यक् प्रकाशन दिल्ली, 2010
(4) पालि साहित्य का इतिहास–	लेखक भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञानमण्डल लिमिडेड, वाराणसी।
(क) पालि व्याकरण –	भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञानमण्डल, लिमिडेड, वाराणसी।
(ख) मैनुअल ऑफ पालि–	लेखक–सी0सी0 जोशी, ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन– **30 अंक**

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा) अगस्त माह 10 अंक

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा) दिसम्बर माह 10 अंक

3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित) 10 अंक

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोटः–चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।